कोविड– 19 को दृष्टिगत सत्र 2021–22 के संशोधित पाठ्यक्रम के अध्यायवार शैक्षिक पंचाग

विषय– व्यवसाय अध्ययन

कक्षा– 12

क्रम	माह	पाठ्यक्रम
1	20 मई से	भाग–एक– प्रबन्ध के सिद्धान्त एवं कार्य प्रबन्ध की प्रकृति एवं महत्त्व– प्रबन्ध का आशय, विशेषताएं, अवधारणाएं, उद्देश्य, महत्त्व, प्रकृति, स्तर, कार्य। समन्वय– प्रबन्ध का सार, विशेषताएं, महत्त्व, इक्कीसवी सदी में प्रबन्ध।
2	जून	प्रबन्ध के सिद्धान्त– अवधारणाएं, प्रकृति, महत्त्व। टेलर का वैज्ञानिक प्रबन्ध–आशय एवं सिद्धान्त, वैज्ञानिक प्रबन्ध की तकनीकी। फ्योल के प्रबन्ध के सिद्धान्त, टेलर एवं फ्योल के सिद्धान्तों का तुलनात्मक अध्ययन। नियोजन– आशय, लक्षण अवधारणा, महत्व, सीमाएं।
3	जुलाई	नियोजन प्रक्रिया, नियोजन के प्रकार। संगठन– आशय, संगठन प्रक्रिया के चरण, महत्त्व। संगठन संरचना एवं प्रकार– कार्यात्मक संरचना एवं प्रभागीय संरचना, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन। प्रत्यायोजन– आशय, तत्व, महत्व। विकेन्द्रीकरण–आशय, केन्द्रीयकरण एवं विकेन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण का महत्त्व।
4	अगस्त	नियुक्तिकरण– आशय, महत्त्व। मानवीय संसाधन प्रबन्ध का मूल्यांकन। नियुक्तिकरण प्रक्रिया। नियुक्तिकरण के पहलू– भर्ती, स्रोत, आन्तरिक स्रेत (आशय, गुण–दोष) बाहय स्रोत। चयन– आशय एवं चयन प्रक्रिया, प्रशिक्षण एवं विकास, प्रशिक्षण विधि। निर्देशन– आशय, महत्त्व, सिद्धान्त, तत्व।
5	सितम्बर	पर्यवेक्षण– आशय एवं महत्त्व। अभिप्रेरक– आशय, लक्षण, प्रक्रिया, महत्त्व, वित्तीय एवं गैर वित्तीय प्रोत्साहन। नेतृत्व– आशय, लक्षण, महत्त्व, अच्छे नेतृत्व के गुण, नेतृत्व शैली, संचार– आशय, संचार प्रक्रिया के तत्व, महत्त्व, औपचारिक एवं अनौपचारिक संचार, संचार बाधाएं, संचार प्रभावशीलता में सुधार।
6	अक्टूबर	भाग–2 व्यावसायिक वित्त एवं विपणन– व्यावसायिक वित्त– अर्थ, वित्तीय प्रबन्धन एवं भूमिका, उद्देश्य। वित्तीय निर्णय, वित्तीय नियोजन– आशय एवं महत्त्व, पूँजी संरचना एवं प्रभावित करने वाले कारक, स्थायी एवं कर्मशील पूँजी, कर्मशील पूँजी की आवश्यकता को प्रभावित करने वाले कारक।
7	नवम्बर	वित्तीय बाजार–आशय, अवधारणाएं, प्रकार्य, मुद्रा बाजार एवं पूँजी बाजार, प्राथमिक बाजार, द्वितीयक बाजार, शेयर बाजार। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।**
8	दिसम्बर	भारत का राष्ट्रीय शेयर बाजार– परिचय, उद्देश्य, बाजार खण्ड 1 भारतीय अधिप्रति दावा पटल शेयर बाजार(OTCE), भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी)

		उपभोक्ता संरक्षण– आशय, महत्त्व, उपभोक्ताओं के कानूनी संरक्षण, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986– परिचय, उपभोक्ताओं के अधिकार, दायित्व, उपभोक्ता संरक्षण के तरीके एवं साधन, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत शिकायत निवारण एजेन्सियाँ, उपभोक्ता संगठनों एवं गैर सरकारी संगठनों (NGP's) की भूमिका।
9	जनवरी	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
10	फरवरी	**प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन।** कमजोर छात्रों का उपचारात्मक शिक्षण।
11	मार्च	बोर्ड परीक्षा का आयोजन।

नोटः– सत्र 2021–22 में 30 प्रतिशत के आधार पर हटाए गये पाठ्यक्रम–

- **व्यावसायिक पर्यावरण**
- **नियन्त्रण**
- **विपणन**
- **उद्यमिता विकास**